बहन की चुदासी सहेली को चोदा

“मेरी बहन की सहेली है की अब तक उनकी शादी नहीं हुई है. उसके साथ मेरी दोस्ती हुई और फिर उसकी पहल पर मैंने उसे होटल में लेजाकर चोदा और मजा लिया. आप भी पढ़ कर मजा लें ! …”

Story By: (deepak_coolguy)
Posted: Thursday, January 31st, 2019
Categories: जवान लड़की
Online version: बहन की चुदासी सहेली को चोदा

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

बहन की चुदासी सहेली को चोदा

हैलो साथियो, मेरा नाम दीपक है. मेरी उम्र 26 साल है और हाइट 6 फुट 1 इंच है. मेरा लंड भी 6 इंच का है. मेरी बॉडी एक एथलीट टाइप की है और दिखने में भी मैं अच्छा हूँ.

मेरी बहन की एक सहेली है, जिनका नाम तोशी है. उनकी उम्र 29 साल है और अब तक उनकी शादी नहीं हुई है. उनका फिगर 36-30-40 का है और हाइट में वो 5 फुट 2 इंच की हैं.

एक बार की बात है, मैं अपने काम से आ रहा था, तो तोशी दीदी मुझे रास्ते में बस का वेट करती हुई मिलीं. वो एक स्कूल में टीचर हैं और स्कूल से आ रही थीं. वे दोपहर की कड़ी धूप में बस आने का वेट कर रही थीं. मैं वहां से जा रहा था, तो उन्हें देख कर मैं रुक गया.

मैंने उन्हें लिफ्ट दे दी. रास्ते में दीदी से थोड़ी बातचीत हुई और मैंने उनसे उनका वाट्सएप नंबर ले लिया. फिर मैं उनसे रोज उनके वाट्सएप पर मैसेज से चैट करने लगा. अब मैं उनको आते समय रोज अपने साथ लेकर आने लगा था.

एक दिन दीदी ने अपनी वाट्सएप की डीपी बदली, तो मैंने उनकी डीपी पर कमेंट कर दिया कि दीदी आप इस फोटो में तो बहुत ही ब्यूटिफुल लग रही हो. काश मेरी गर्लफ्रेंड आपके जैसी होती.
दीदी ने शर्मा कर थैंक्स बोल दिया.

फिर संडे को उनका मैसेज आया कि उन्हें कहीं जाना है, क्या मैं ले जाऊंगा ?
मैंने हां कर दी.

मैं उन्हें तय समय पर मार्केट लेकर गया. वहां उन्होंने अपनी शॉपिंग की और एक लेडिज स्टोर से अपने लिए ब्रा पेंटी भी खरीद की. मैंने उसकी इस खरीद पर कोई रिएक्ट नहीं

किया. कुछ देर बाद हम दोनों बाजार से वापस आ गये. मैंने उनको उनके घर छोड़ दिया और अपने घर आ गया.

घर आकर मैं तोशी दीदी के बारे में सोचने लगा. मुझे उनमें आज दीदी की जगह एक लड़की दिखने लगी थी. वे मुझसे जिस तरह से वाट्सएप पर बातें करने लगी थीं, उससे मुझे उनकी तरफ से एक मूक आमंत्रण सा महसूस होने लगा था. तब भी मैंने सर झटक दिया कि यदि मैं गलत हुआ, तो बड़ी बेइज्जती होगी.

तभी दीदी ने घर जा कर मुझे मैसेज किया- क्या कल तुम फ्री हो ?
मंडे को कोई सरकारी छुट्टी थी, तो मैंने बोला- हां दीदी.
तो वो बोलीं कि मेरे साथ कहीं घूमने चलोगे ?
मैं बोला- ओके.. चल दूँगा.
दीदी ने बोला कि ठीक है सुबह 9 बजे आ जाना. मैं अपने घर से आगे सर्कल पर मिलूँगी.
मैंने कहा- ठीक है.

दूसरे दिन मैं सुबह नौ बजे उनके पास पहुंचा, तो देखा दीदी तो गजब लग रही थीं. उन्होंने स्कर्ट और टॉप पहना था और उनके खुले से गले वाले टॉप से क्लीवेज दिख रहे थे. उनके बदन से चिपकी हुई स्कर्ट से उनकी गांड उभर के बाहर आ रही थी. आज मैंने अपने मन में उनके लिए पहली बार उन्हें चोदने के लिए फील किया.

उन्होंने रास्ते में मुझसे चिपकते हुए कहा- मुझे मूवी देखनी है.
इस टाइम जिस थियेटर में जाने की वे बात कर रही थीं, उसमें ‘अक्सर-2’ लगी हुई थी.

मैंने दीदी से कहा- ये मूवी अपने देखने लायक नहीं है.
तो वो बोलीं- नहीं, मुझे ये ही देखनी है.
मैंने भी आज उनको अन्दर तक समझने का मन बना लिया था. सो मैंने हामी भर दी और

उधर पहुंच कर दो टिकेट्स ले लीं. फिर हम दोनों हॉल में चले गए.

मूवी देखने के टाइम उन्होंने मेरा हाथ पकड़ लिया और मेरे कंधे पे सर रख के बैठ गईं. मैंने भी अपना हाथ उनके कंधे से होते हुए उसकी सीट की पुश्त पर रख दिया. फिर धीरे से जानबूझ कर उनके उस तरफ वाले हाथ पर अपने हाथ को टच कर दिया. उन्होंने कोई रिएक्ट नहीं किया. बल्कि वो मेरे साथ और सट सी गईं.

मैंने उनकी बांह को अपने हाथ से सहलाना शुरू कर दिया तो उन्होंने अपने हाथ से मेरे हाथ को नीचे कर लिया. अब मेरा हाथ उनके मम्मों पे जा रहा था. मैंने उनकी मर्जी समझ ली और उनके बूब को सहलाने लगा. इस पर उन्होंने कोई विरोध नहीं किया.
यह तो एकदम खुला आमंत्रण था.

बस मैंने हिम्मत बढ़ा दी और अपना हाथ उनकी ब्रा में डाल कर उनके एक चूचे को अपनी हथेली में भरके सहलाने लगा. वो भी कुछ नहीं बोलीं. अब मैंने उनके निपल्स को पिंच किया, वो तब भी कुछ नहीं बोलीं.. बल्कि अब तो वो हल्की सी आवाज में सिसकारी लेने लग गयी थीं. उनकी आवाज से ऐसे लग रहा था, जैसे वो गरम होने लगी हों. उन्होंने मेरा दूसरा हाथ पकड़ के दबा दिया.. और इसी के साथ मेरे लंड के ऊपर अपना एक हाथ रख दिया, जो कि एकदम तना हुआ था.

फिर उन्होंने अपने दूसरे हाथ से फोन में ओयो रूम्स की साइट खोली और मेरे हाथ में फोन थमा कर रूम बुक करने का इशारा किया.
मैं खुशी से झूम उठा, मैंने रूम बुक किया और मूवी को बीच में से ही छोड़ कर हम ओयो में चले गए.

रास्ते में मैंने मेडिकल स्टोर से कंडोम ले लिए और होटल पहुंच गए.

रूम में चैक इन करते हुए ही वो मुझसे चिपक गईं और मुझे पागलों की तरह चूमने लगीं. उन्होंने मुझे इतनी तेज़ गले से लगाया कि मैं खुद को उनसे छुड़ा ही नहीं पाया. फिर मैं भी उनके लिप्स को चूमने लगा. उनकी जीभ को अपने मुँह में अन्दर ले कर चूसने लगा.

अगले कुछ ही पलों में मैंने उनका टॉप उतार दिया. उन्होंने वही ब्रा पहनी थी, जो उस दिन खरीदी थी.

वो बेड पे जा कर बैठ गईं और मैंने उनके कसे हुए मम्मों को देखा. क्या दूध थे यार.. एकदम मिल्की वाइट..
दीदी के दूध देखते ही मेरे लंड में तनाव आ गया. मैं उन्हें लिटा कर उनके ऊपर लेट गया. वो मेरे कपड़े उतारने लगीं. मैं उन्हें पूरी बॉडी पे चूमे ही जा रहा था.

फिर मैंने उनकी ब्रा का भी हुक खोल दिया और उनके उछलते मम्मों को चूसने लगा. वो मेरे सर को पकड़ के अपने बूब्स पे दबाने लगीं और मादक सिसकारियां भरने लगीं. उनके मुँह से गरम ‘आअहह ओह हाआअ..’ ऐसी आवाजें आने लगीं.
मैं एक हाथ से दीदी के एक बूब को दबा रहा था और दूसरे को पी रहा था. ऐसे करते करते हम दोनों ही पूरे नंगे हो गए थे.

वो मुझे सीधा लिटा कर मेरे ऊपर आ गईं और मुझे देख कर हंसने लगीं. दीदी कहने लगीं- ऐसी गर्लफ्रेंड चाहिए थी ना.. तो आज से मैं ही तुम्हारी गर्लफ्रेंड बन गई हूँ.
ऐसा बोल कर उसने मेरे लंड को अपने मुँह में ले लिया और मैं बस ‘उम्म्ह… अहह… हय… याह…’ करने लगा. उनके लंड चूसने का स्टाइल बहुत ही अच्छा था.

मैंने अपना हाथ उनकी चुत पे रखा और दो फिंगर्स अन्दर डाल दीं. उनकी ‘आअहह..’ निकल गयी. मेरा लंड पूरे ताव में था और उनकी चुत भी अब चुदने को रेडी थी.
वो बोलीं- दीपक और बर्दाश्त नहीं होता.. प्लीज़ अब चोद दो मुझे.

मैंने उन्हें सीधा लिटा दिया. उनकी टाँग के नीचे तकिया रख कर और उनकी टांगे फैला दीं. फिर मैं दीदी की टांगों के बीच में आकर बैठ गया और लंड पर कंडोम लगा कर मैं दीदी की चूत पर अपने लंड का सुपारा रगड़ने लगा.
दीदी नीचे से गांड उठाते हुए बोलीं- प्लीज़.. अब मत तड़पा.. जल्दी से अन्दर डाल दे.

मैंने थोड़ा सा लंड दबाया, तो सुपारा अन्दर घुस गया. उनकी चीख निकल गई, मैं रुका नहीं और लंड पेलता ही चला गया.
वो दर्द भरी आवाजें निकालने लगीं. ‘आअहह ओह उईईईई माँआ.. मररर गईईई.. प्लीज़ दीपक बाहर निकालो.’
उनकी चिल्लपौं सुनकर मैं एक मिनट के लिए रुक गया और उनके ऊपर झुक के उनके होंठों को चूसने लगा.

फिर मैंने पुश किया, तो उनकी चीख मेरे मुँह में ही दब गई. मैं थोड़ा फिर रुका और जब वो कंफर्टबल फील करने लगीं. तो दीदी वो अपनी चुत को उठाते हुए मेरे लंड पर दबाने सी लगीं.
मैं समझ गया कि अब क्या करना है. और फिर मैं उन्हें धकापेल चोदने लगा. मैं लंड को दीदी की सहेली की चूत में अन्दर बाहर अन्दर बाहर करने लगा. और वो ‘आअहह उईईईई उफफफफ़.. आअह.. भ..भाई..’ करने लगीं.

मैं उन्हें बहुत ही मदहोशी से चोदने में लगा हुआ था. अब तो वो भी नीचे से गांड उठाते हुए धक्के लगाने लगी थीं.

दीदी बोलने लगीं- आह चोद मुझे.. और छोड़.. कब से प्यासी है मेरी चुत.. आहह आज इतने दिनों के बाद लंड मिला है.. प्लीज़ मत रूको.. और तेज चोदो मुझे.. और तेज़ चोदो.
उनकी कामुक आवाजें मुझे और पागल कर रही थीं और मैं अपनी स्पीड बढ़ाने लगा.
फिर मैंने उनसे कहा- आप डॉगी स्टाइल में आ जाओ.

वो घोड़ी बन गईं और मैं उनके पीछे आ कर उनकी चूत में लंड के धक्के लगाने लगा. वो ‘आअहह ओह ह्म्म्म्म ममम उईईइ.. माँआआ..’ करने लगीं. मैं उन्हें चोदने में लगा हुआ था और साथ ही उनकी गोरी गांड पर थप्पड़ लगाने लगा. उनके मुँह से ‘औउच.. मर गई..’ की आवाज निकली.

फिर कुछ देर बाद वो बोलीं- दीपक, अब मैं थक गई हूँ.
मैंने उनको सीधा लिटा दिया. फिर से उनके ऊपर चढ़ कर उनको चोदने लगा.

दो मिनट बाद वो अकड़ उठीं और बोलीं- आअहह … मैं छूटने वाली हूँ, प्लीज़ रुकना मत… और तेज चोदो मुझे.. और तेज़ !
बस इतना कहकर वो निढाल सी हो गईं मैं अब भी लंड पेले जा रहा था. उनके झड़ जाने के बाद झटकों में से पच पच्छ की आवाज़ आने लगी.

उनके दो मिनट बाद मैं भी छूट गया और मैं उनके ऊपर नंगा ही गिर गया.
दीदी मुझे पकड़ कर चूमने लगीं और मुझे संतोष की नज़रों से देखने लगीं. दीदी मुझसे बोलीं- आई लव यू.. यू आर बेस्ट ऑन बेड.
हम दोनों ने एक बार फिर से चुदाई का मजा लिया और घर आ गए.

उसके बाद से उन्हें मैं हमेशा चोदता रहता हूँ, जब भी हम दोनों का मूड बन जाता है.

तो फ्रेंड्स आपको मेरी दीदी की सहेली की सेक्स स्टोरी कैसी लगी.. प्लीज़ बताना ज़रूर.
deepak_coolguy91@yahoo.com

Other stories you may be interested in

अपने पड़ोसी के मोटे लंड से चुदी

हैलो फ्रेंड्स, मेरा नाम सुनीता है. मैं आप सबको अपनी चुदाई की कहानी बताने जा रही हूँ और ये कहानी मेरे और मेरे पड़ोसी की है. हम दोनों ने कैसे चुदाई की और आज भी कैसे चुदाई करते हैं, ये […]
Full Story >>>

ठंडी रात में बस में मिली चूत की गर्मी

नमस्ते दोस्तो, मैं राजीव खंडेलवाल जालना महाराष्ट्र में रहता हूँ. मेरी उम्र 40 साल है और शादीशुदा हूँ. मेरी हाइट 5 फुट 3 इंच और हथियार 6 इंच का है. मेरी सेक्स लाइफ अच्छी चल रही है. आज मैं अपने […]
Full Story >>>

दामाद जी ने मुझे जम कर चोद दिया

मेरी उम्र अभी करीब 40 साल की है. और मेरी बेटी प्रिया की शादी कुछ महीने पहले ही मैंने एक अच्छे वेल सेटल्ड लड़के से कर दी. लेकिन कुछ ही महीनों बाद एक दिन वो मायके लौट आयी और फूट […]
Full Story >>>

चलती ट्रेन में चूत चुदाई का पहला अनुभव

नमस्ते दोस्तो, मैं करीब 4 साल से अन्तर्वासना का नियमित पाठक हूँ. यह कहानी मेरा पहला अनुभव है, जो कि इसी दिसंबर महीने में हुआ. सबसे पहले मैं आपको अपना परिचय दे दूं. मैं जोधपुर का रहने वाला हूँ, मेरा […]
Full Story >>>

औरतों की गांड मारने की ललक

बात उस समय की है, जब मैं २8 साल का था. मेरी शादी को 5 साल हो गए थे. मैं बैंगलोर में एक डेढ़ साल की ट्रेनिंग के लिए गया था. पास के एक गांव में एक घर किराए पर […]
Full Story >>>